मूल्य 1 रु.
वर्षः 14 - अंक : 342, मुंबई, शनिवार, 29 मार्च, 2025 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®

अब हर सच होगा उजागर

DESI VILLAGE
RESTAURANT & CAFE
DUBAI

पार्टी में होकर भी नहीं मिल रही अहमियत

एनसीपी नेताओं का चढ़ा पारा

एनसीपी नेताओं का चढ़ा पारा

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। विधानमंडल की विभिन्न समितियों की घोषणा गुरुवार को कर दी गई। इसमें उप मुख्यमंत्री अजित पवार ने अपने दो दिग्गज नेताओं को झटका दिया है। पवार ने मंत्री पद नहीं दिए जाने से नाराज चल रहे पार्टी के वरिष्ठ नेता, पूर्व मंत्री एवं विधायक छगन भुजबल को समितियों से भी दूर रखा। इसी तरह उन्होंने पूर्व मंत्री धनंजय मुंडे को भी समितियों से दूर रखकर विवादों से बचने का प्रयास किया है। पवार ने दो विभाग अपने पास रखे, जबकि विधायक सुनील शेलके, दौलत दरोडा, किरण लहामटे को पार्टी के हिस्से में आई विधानमंडल की अन्य समितियों का अध्यक्ष बना दिया।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

अबु आजमी का बीजेपी पर तीखा हमला

सौगात-ए-मोदी को लेकर सरकार की खोल दी पोल

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। रमजान के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की योजना के तहत मुसलमानों को सौगात-ए-मोदी प्रदान की है। इस पर महाराष्ट्र में समाजवादी पार्टी के विधायक अबू आजमी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की योजना सौगात-ए-मोदी पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। अबू आजमी ने तंज कसते हुए कहा कि सरकार की ओर से दी जाने वाली सौगातों का कोई मतलब नहीं है, जब तक मुसलमानों को उनके संवैधानिक अधिकार नहीं दिए जाते। उन्होंने सौगात-ए-मोदी को मजाक बताते हुए कहा कि मुझे हंसी आ रही है कि सौगात-ए-मोदी दी जा रही है, लेकिन मुसलमानों के हक छीने जा रहे है। अबू आजमी ने मस्जिदों को खोदने वाले मामले कहा कि अब सरकार को हर मस्जिद के नीचे मंदिर नजर आ रहा है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

सैफ अली खान अटैक मामले ने लिया नया मोड़

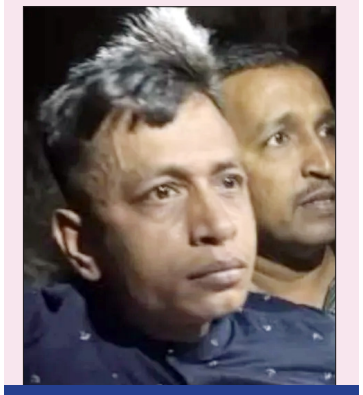

आरोपी शरीफुल का बड़ा दावा, न्यायालय में दायर की याचिका

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान पर हमला करने के मामले में गिरफ्तार आरोपी शरीफुल इस्लाम शहजाद ने अब न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। शरीफुल इस्लाम शहजाद ने अब मुंबई सत्र न्यायालय में जमानत याचिका दायर की है। इस याचिका के बाद अब ये सवाल उठता है कि क्या वाकई शरीफुल इस मामले में आरोपी है या फिर बचने के लिए किसी तरह की साजिश रच रहा है। ऐसा इसलिए क्योंकि शरीफुल इस्लाम शहजाद ने अपने वकील के माध्यम से दायर याचिका में शरीफुल ने दावा किया है कि उसने कोई अपराध नहीं किया है और उसके खिलाफ दर्ज मामला मनगढ़ंत है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

पिता सतीश सालियान हैं दिशा की मौत के जिम्मेदार?

पुलिस की क्लोजर रिपोर्ट में हुआ चौंकाने वाला खुलासा

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। दिशा सालियान मामले में अब आए दिन नए खुलासे होते नजर आ रहे है। मुंबई पुलिस ने अब दिशा सालियान की मौत को लेकर अपनी क्लोजर रिपोर्ट में चौंकाने वाला खुलासा किया है। पुलिस की रिपोर्ट की माने को आत्महत्या मौत की असली वजह बताई गई है। रिपोर्ट में ये भी बताया गया है कि दिशा सालियान के पिता द्वारा पैसों के दुरुपयोग किए जाने के साथ ही अलग-अलग कारणों से डिप्रेशन का शिकार हुई थी। दिशा सालियान घटना की जांच करने वाली मालवणी पुलिस ने क्लोजर रिपोर्ट चार फरवरी, 2021 को (दुर्घटनावश मृत्यु रिपोर्ट के नियमों के अनुसार) पहले ही वरिष्ठ अधिकारी को सौंप दी थी।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

पिता सतीश सालियान ने की नए सिरे से जांच की मांग की

वहीं पिछले हफ्ते, दिशा के पिता सतीश सालियान ने 5 साल बाद इस मामले को फिर से उठाया है। सतीश सालियान ने बॉम्बे हाई कोर्ट का रुख करके उन रहस्यमय परिस्थितियों की नए सिरे से जांच की मांग की है, जिनके तहत जून 2020 में दिशा की मौत हुई थी। उन्होंने उच्च न्यायालय से शिवसेना यूबीटी के नेता आदित्य ठाकरे के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने और जांच को केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो को स्थानांतरित करने का आदेश देने की भी अपील की थी।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

यही यक्ष प्रश्न है

भारत में ऐसी मध्यम- आकार की कंपनियां पर्याप्त संख्या में नहीं हैं, जो अपने को बड़ी कंपनी बना सकने की स्थिति में हों, जबकि एमएसएमई का विकास विकसित भारत का लक्ष्य हासिल करने के लिए यह निर्णायक महत्त्व का है।

नीति आयोग के सीईओ बीवीआर सुब्रह्मण्यम की इस टिप्पणी पर ध्यान दीजिए: कभी-कभी जब मैं भारतीय अर्थव्यवस्था के बारे में सोचता हूं, तो मुझे चिंता होती है। हमारे यहां बड़ी संख्या में बड़ी कंपनियां हैं। जबकि मझौली कंपनियों की संख्या बड़ी कंपनियों से भी कम है। वैसी स्थिति में आर्थिक वृद्धि कहां से हासिल होगी? यह स्थिति संस्थागत, ढांचागत रूप लिए हुए है। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के लिए एक नई पहल की शुरूआत के मौके पर उन्होंने अफसोस जताया कि भारत में ऐसी मध्यम- आकार की कंपनियां पर्याप्त संख्या में नहीं हैं, जो अपने को बड़ी कंपनी बना सकने की स्थिति में हों, जबकि एमएसएमई का विकास विकसित भारत का लक्ष्य हासिल करने के लिए यह निर्णायक महत्त्व का है। एमएसएमई सेक्टर बदहाल है और इसकी वजह ढांचागत है, इस हकीकत पर सरकारी हलके के किसी बड़े अधिकारी की तरफ से यह शायद सबसे स्पष्ट स्वीकारोक्ति है। ये हाल क्यों है? इससे जानने के लिए किसी गहन शोध की जरूरत नहीं है। संसद की लोक लेखा समिति ने अपनी एक ताजा रिपोर्ट में जीएसटी संबंधी प्रक्रियाओं को इसका बड़ा कारण माना है। वैसे तह में जाया जाए, तो एमएसएमई क्षेत्र की मुसीबत की कुछ वजहें सरकारी नीतियों और कदमों में तलाशी जा सकती हैं। उनमें एक खास कदम नोटबंदी था। अब शायद ही इस पर कोई संदेह बचा हो कि नोटबंदी ने इस क्षेत्र की जो कमर टूटी, वह आज तक दुरुस्त नहीं हो सकी है। इन तथ्यों को याद करना इसलिए जरूरी है कि जब तक इन कारणों से उपजी समस्याओं का हल नहीं सोचा जाता, कोई ऊपरी पहल एमएसएमई सेक्टर को उबार नहीं सकती। मध्यम अर्थव्यवस्था के बदहाल होने का नतीजा बढ़ी गैर-बराबरी के रूप में आया है। किसी बाजार के खुशहाल होने की पहली शर्त मध्य वर्ग का विस्तार और इस तबके के एक हिस्से का धनी तबके में अनवरत शामिल होना होता है। लेकिन यही क्रम ठहर गया है। सरकार इससे खुद के बेखबर होने का दिखावा करती रही है। मगर सरकारी अधिकारी इसे महसूस करते हैं, यह बात सुब्रह्मण्यम की टिप्पणी से जाहिर हुई है।

रमजान पर विशेष : इंसानियत के लिए रब का पैगाम है कुरान मजीद

रमजान वह मुबारक महीना है जिसमें अल्लाह ने अपने फरिश्ते जिब्रील अलैहिस्सलाम के अभिभाषण के जरिए अपनी आखिरी किताब कुरान मजीद का अवतरण अपने आखिरी नबी रसूल पैगंबरे इस्लाम हजरत मोहम्मद सल्लल्लाहो अलैह वसल्लम पर प्रारंभ किया। कुरान मजीद का शीर्षक मानव है और कुरान मजीद का विषय मानव का मार्गदर्शन है। अपनी किताब कुरान मजीद में अल्लाह का फरमान है कि रमजान वह महीना है जिसमें कुरान अवतरित किया गया जो इंसानों के लिए सर्वथा मार्गदर्शन है और ऐसी स्पष्ट शिक्षाओं पर आधारित है जो सीधा मार्ग दिखाने वाली सत्य और असत्य का अंतर खोल कर रख देने वाली है (कुरान मजीद 2:185)। और इसी कुरान के बारे में अल्लाह ने यह भी बता दिया कि हे नबी (हजरत मोहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम) कहो कि यह अल्लाह का अनुग्रह और उसकी दया है कि यह चीज उसने भेजी इस पर तो लोगों को खुशी मनानी चाहिए यह उन सब चीजों से उत्तम है जिन्हें लोग समेट रहे। (कुरान 10:58)। रमजान उल मुबारक कुरान के अवतरण का वार्षिक उत्सव भी है जिससे प्रतिवर्ष कुरान से हमारे व्यावहारिक संबंधों का नवजागरण होता रहता है और ईश्वरीय मार्गदर्शन से हमारा संबंध टूटने नहीं पाता है। ईद उल फितर का त्यौहार भी वास्तव में कुरान के अवतरण की खुशी मनाने का ही त्यौहार है जो रमजान के समाप्त होने के अगले दिन मनाया जाता है। रमजान इस भावना को भी नया जीवन देता है कि कुरान मात्रा मुसलमान की धार्मिक पुस्तक नहीं है बल्कि है तो समस्त मानव जाति के लिए है वह पूरे संसार को प्रकाशमान करने आई है और यह मुसलमान का कर्तव्य है कि वह इस ईश्वरीय संदेश को विश्व के कोने-कोने तक लोगों को उनकी भाषा में पहुंचाएं जो उनकी अमानत है उनकी धरोहर है अन्यथा अल्लाह के यहां उन्हें कठोर दंड भुकतना पड़ेगा इसलिए कुरान मजीद के अरबी पाठ के साथ ही साथ उसे अपनी भाषा के अनुवाद व व्याख्या के साथ पढ़े और समझे और उस पर अमल करें और उसके पैगाम को सारे इंसानों तक पहुंचाएं तभी हम कुरान का रमजान का और पैगंबरे इस्लाम हजरत मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की मोहब्बत सही हक अदा कर सकेंगे।

सभी भाइयों बहनों को रमजान उल मुबारक व ईद की बहुत-बहुत मुबारकबाद और मैं सभी भाइयों बहनों को बताते चलूं कि आज मैं जो कुछ भी हूं जितना मुझे दीन ईमान इस्लाम का इल्म है यह सब मेरी मोहसिन मेहरबान मेरी जन्नत मेरी रहमत मेरी प्यारी प्यारी अम्मीजान हजरत जुबेदा बी रहमतुल्लाहि अलैहा की परवरिश का नतीजा है इसलिए आप सभी भाइयों बहनों से मेरी दिली गुजारिश है इल्तिजा है आप सभी रमजान के इस मुकद्दस और रहमत वाले महीने अल्लाह से दुआ करें कि अल्लाह मेरी अम्मीजान हज्जन जुबेदा बी रहमतुल्लाहि अलैहा और मेरे अब्बू जनाब बाबू खान साहब की बख्शीस और मगफिरत फरमाए और अपनी रहमतों से और अपने महबूब पैगंबर रहमतुल्लिल आलमीन हजरत मोहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम के वसीले से उनकी कबरें अतहर को जन्नत का बाग बनाकर अपने नूर से रोशन और मुनव्वर फरमाए और आलमे बरजख के इल्लीन में आला मुकाम अता फरमाए और इन्हें अपना नूर अपनी रहमत अता फरमाए और कब्र के अजाब से जहन्नम की आग से मैदाने महशर और पुलसिरात की सख्तियों और तकलीफों से हिफाजत फरमाकर इन्हें अपना अमन और सलामती अता फरमाए अमीन ए रब्बुल आलमीन।

आपकी दुआओं का तलबगार आपका भाई साजिद खान। **- साजिद खान संपादन प्रभाग हज्जन जुबेदा बी मीडिया ग्रुप धनपुरी**

माननीय वित्त एवं आबकारी मंत्री तथा आबकारी आयुक्त के साथ बैठक : प्रस्तुत किए गए प्रमुख मुद्दे

हमें आपको यह बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि आज, हमारे सलाहकार श्री कलाथुर विश्वनाथ जे शेट्टी द्वारा माननीय वित्त एवं आबकारी मंत्री श्री अजीत पवार तथा आबकारी आयुक्त श्री रंजीत देशमुख के साथ आयोजित एक सार्थक बैठक हुई। चर्चा के दौरान, हमने परमिट रूम संचालकों के समक्ष आने वाले प्रमुख मुद्दों को प्रस्तुत किया तथा निम्नलिखित समाधान प्रस्तावित किए:

1. सुव्यवस्थित वैट संग्रहः हमने सुझाव दिया कि शराब पर वैट परमिट रूम के बजाय सीधे डिस्टिलरी तथा ब्रूअरीज से एकत्र किया जाए। इससे राज्य सरकार को बिना किसी देरी के तत्काल राजस्व प्राप्ति सुनिश्चित होगी।
2. वार्षिक FL111 लाइसेंस शुल्क वृद्धि को रोकें:for f l 111 लाइसेंस शुल्क में व्यवस्थित वार्षिक वृद्धि ने परमिट रूम संचालकों पर अनुचित बोझ डाला है। हमने इस नीति की समीक्षा का अनुरोध किया, विशेष रूप से शराब की दुकानों तथा सड़क किनारे ढाबों के पास अवैध शराब की बिक्री से उत्पन्न चुनौतियों को देखते हुए।
3. शराब पीने के परमिट को खत्म करनाः व्यक्तिगत शराब पीने के परमिट की आवश्यकता पुरानी हो चुकी है और

देश के बाकी हिस्सों में प्रचलित नहीं है। हमने सरकार से राष्ट्रीय प्रथाओं के साथ तालमेल बिठाने के लिए महाराष्ट्र में इस प्रणाली को खत्म करने का आग्रह किया।
4. रेस्तरां और परमिट रूम क्षेत्रों का एकीकरणः रेस्तरां और परमिट रूम क्षेत्रों का अनिवार्य पृथक्करण अनावश्यक है और भारत में कहीं और इसका पालन नहीं किया जाता है। इस आवश्यकता को हटाने से संचालन सुव्यवस्थित होगा और ग्राहक अनुभव में सुधार होगा।
5. अवैध शराब की बिक्री पर अंकुश लगानाः सड़क किनारे ढाबों और अन्य अनधिकृत प्रतिष्ठानों पर अवैध शराब की अनियंत्रित बिक्री वैध परमिट रूम के व्यवसाय को गंभीर रूप से प्रभावित कर रही है। हमने महाराष्ट्र भर में ऐसी गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए सख्त प्रवर्तन उपायों का अनुरोध किया।

बैठक में वीर शंकर बी. शेट्टी (अध्यक्ष) दयानंद शेट्टी (उपाध्यक्ष) दुर्गाप्रसाद सी सालियान (महासचिव) भास्कर टी. शेट्टी (संयुक्त सचिव) कलाथुर विश्वनाथ जे शेट्टी (सलाहकार अध्यक्ष) सुरेश येयादी होटल व्यवसायी राजीव जायसवाल नागपुर होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष नितिन मोहोड़ नागपुर होटल एसोसिएशन के सचिव नवीन भवनकर कोषाध्यक्ष माननीय मंत्री और आबकारी आयुक्त दोनों ने धैर्यपूर्वक हमारी चिंताओं को सुना और इन मुद्दों को जल्द से जल्द हल करने में अपना सहयोग देने का आश्वासन दिया। हम सभी सदस्य संघों से अनुरोध करते हैं कि वे राज्य सरकार की आधिकारिक घोषणा की प्रतीक्षा करें। हम आपके समर्थन की सराहना करते हैं और आपको आगे की घटनाओं के बारे में जानकारी देते रहेंगे।

बरकतें रमजान

माहे रमजान आया।
रब का मेहमान आया।।
जहां का निजाम आया।
अल्लाह का कुरआन आया।।
प्यार करो गरीबों से।
रोजे का फरमान आया।।
रोजे रखिए और पढ़िए कुरॉ।
रहमत का सायबान आया।।
कैद हुए अब शैतानों लईन।
नेकियों का निगेहबान आया।।
रोजे तरावीह व जिक्रों तिलावत।
नेकियों का उफान आया।।
मुआत्तर हुए खुशबू से घर।
फूलों का गुलदान आया।
छोटा बड़ा कोई नहीं।
इस्लाम का ऐलान आया।।
एक ही सफ में सब है खड़े।
साथ फकीर सुल्तान आया।।
काले गोरे मे कोई भेद नही।
सबका खून सामान आया।।
बिन मॉ के रमजान और ईद।
दिल गमगीन ना मुस्कान आया।।
पहचाने बताने हक बातिल की।
मालिक का फुरकान आया।।
नामूसे रिसालत की खातिर।
सर हथेली लिए जवान आया।।
क्या जिक्र करूं मॉ तेरी ।
तुझसा ना कोई महेरबान आया।।
साजिद तेरी मॉ की अमल से।
तुझमे दीनो ईमान आया।।

-साजिद खान धनपुरी जिला शहडोल मध्य प्रदेश

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

स्ट्रेटरजीस फॉर सक्सेसः ईशा अग्रवाल की सबके लिए सभी सफलता की कुंजी

मुंबई। परंपरागत रूप से, व्यक्तिगत संघर्षों के लिए, व्यक्ति श्रीमद्भगवद गीता के ज्ञान की ओर रुख करते हैं, और मैनेजमेंट से जुडी चुनौतियों के लिए, चाणक्य नीति की अक्सर सिफारिश की जाती है। हालाँकि, प्रोफेशनल सफलता का मार्गदर्शन करने के लिए विशेष रूप से बनाया हुआ संसाधन उल्लेखनीय रूप से अनुपस्थित रहा है। ईशा अग्रवाल की 'स्ट्रेटरजीस फॉर सक्सेस' इस कमी को पूरा करती हैं, जो कैरियर के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए एक समर्पित रूपरेखा प्रदान करती है। ईशा की विविध प्रोफेशनल ट्रेनिंग, कॉर्पोरेट बिजनेस और पारिवारिक व्यवसाय से मिली हुई है, साथ ही अपने करियर की शुरूआत के दिनों के अनुभव उन्होंने अपनी पढ़ाई के साथ ही लिए थे। ये सभी चीजें बहुत सी चुनौतियों, उलझनों और असफलताओं के साथ आती हैं। उस समय, मैं सोचती थी, मुझे मार्गदर्शन करने या यह बताने वाला कोई क्यों नहीं है कि मुझे क्या करना है और क्या नहीं? यह करो, या वह करो। आप इन चुनौतियों से बाहर निकल आएंगे या आप इस तरह से चमत्कार करेंगे। इन सब कारणों से मैं हमेशा अपनी चुनौतियों और असफलताओं से निपटने के लिए अपने लिए ऐसी किताबों की तलाश में रहती थी, जिसके कारण मुझे

स्ट्रेटरजीस फॉर सक्सेस लिखने का विचार आया, ईशा ने किताब लिखने की प्रेरणा के बारे में बताते हुए कहा। 'द 5 एएम क्लब', 'एटॉमिक हैबिट्स', 'इकिगाई', 'द पावर ऑफ योर सबकॉन्शियस माइंड', 'थिंक एंड ग्रो रिच' और 'द 7 हैबिट्स ऑफ हाईली इफेक्टिव पीपल', बाजार में उपलब्ध आत्म-सुधार पर कुछ बेहतरीन किताबें हैं। अपनी किताब को दूसरी किताबों से अलग बताते हुए ईशा ने कहा, ये किताबें एक खास विषय पर आधारित हैं। मेरी किताब, स्ट्रेटेजीस फॉर सक्सेस, उन लोगों के लिए एक मैनुअल है जो तेजी से भागती दुनिया में सफलता की तलाश कर रहे हैं। मैं कह सकती हूं कि इस हैंडबुक में बहुत सारे केस स्टडी शामिल हैं। आजकल लोग ब्रांड तो देखते हैं, लेकिन वे उनकी सफलता की कुंजी के बारे में नहीं जानते। मेरा मानना है कि केस स्टडी के जरिए लोग उन ब्रांड के बारे में बहुत कुछ जान सकते हैं। यह एक तरह का रोडमैप और युवाओं के लिए एक गाइड है, जो संगठन, उत्कृष्टता और व्यक्तिगत विकास हासिल करना चाहते हैं, जो वास्तव में खुद के लिए और समाज के लिए अच्छा करना चाहते हैं, ईशा ने कहा। बीजेपी ट्रांसपोर्ट सेल चेयरमैन हाजी अरफात शेख, ऋषभ साहनी, विजय कडेचकर, डॉ. श्याम सिंघानिया और कई अन्य लोगों की मौजूदगी में ईशा ने अपनी पहली किताब स्ट्रेटरजीस फॉर सक्सेस लॉन्च की। यह पुस्तक उन पुस्तक प्रेमियों के लिए सभी ऑनलाइन और ऑफलाइन स्टोर्स पर उपलब्ध होगी, जो अपने जीवन में बदलाव लाना चाहते हैं।

हिंदू मुस्लिम एकता की बड़ी मिसाल, गांव देवी मंदिर के कॉम्युनिटी हॉल में हुई रोजा इफ्तारी

मुंबई हलचल/शोएब म्यानुंर

मुंबई। अंधेरी वेस्ट डोंगर इलाके में गांव देवी मंदिर के कॉम्युनिटी हॉल में शिवसेना शिंदे गुट के हुशैन शैख की जानीब से शिवसेना शिंदे गुट की अगुवाई में रोजा इफ्तारी का शानदार आयोजन किया गया। इस मौके पर कई पोलिटिकल लिडर, महिलाएं और बच्चे मौजूद रहे और साथ में हिंदू महिलाएं और बच्चे भी मौजूद रहे और सभी ने एक साथ हिंदू मुस्लिम एकता की मिसाल कायम करते हुए गंगा जमना तेहजिब के साथ गांव देवी मंदिर के कॉम्युनिटी हॉल में रोजा इफ्तारी की। आए हुए महेमानों ने और हुसैन शैख ने मिडिया से बात करते हुए बताया की आज जहां देखो वहां गलत फेहमी कराई जा रही है। लोग हिंदू मुस्लिम को आपस में लडा रहे हैं हिंदू मुस्लिम के बीच नफरत का बीज बोया जा रहा है लेकिन हम लोग हर साल हिंदू मुस्लिम एकता बरकरार रखते हुए ये रोजा इफ्तारी का बंदोबस्त करते हैं आने वाले दिनों में गुडी पड़वा और रमजान ईद भी इसी तरहां मिलकर मनाएंगे।

हिंदू-मुस्लिम एकता की मिसाल, बोईसर विधानसभा में दीखा सौहार्द्र

मुंबई हलचल/संवाददाता

बोईसर। बोईसर विधानसभा क्षेत्र में हिंदू-मुस्लिम एकता की एक अनूठी मिसाल देखने को मिली। इस संदर्भ में शिवसेना के विधायक विलास तरे ने कहा कि यदि भाईचारे और सौहार्द्र का उदाहरण देखना हो तो वह बोईसर विधानसभा क्षेत्र में देखा जा सकता है। शिवसेना विधायक श्री. तरे ने कहा कि खासकर बोईसर व आसपास के क्षेत्रों में सभी धर्मों के लोग एक-दूसरे के सुख-दुख में शामिल होते हैं। त्योहार हो या सामाजिक कार्यक्रम, हिंदू-मुस्लिम समुदाय के लोग आपसी भाईचारे के साथ मिलकर उन्हें मनाते हैं। शिवसेना विधायक श्री.तरे ने इस एकता को क्षेत्र की विशेषता बताया और कहा कि यह समाज की सच्ची ताकत है, जिसे हमेशा बनाए रखना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि राजनीतिक लाभ के लिए समाज में फूट डालने वालों से सावधान रहना होगा। श्री तरे ने जनता से अपील की कि वे प्रेम और भाईचारे की मिसाल कायम रखें और समाज में सद्भाव बनाए रखें। बोईसर विधानसभा क्षेत्र में लोगों के बीच ऐसा मेलजोल और आपसी सहयोग सांप्रदायिक सौहार्द्र का प्रतीक बन गया है जो पूरे क्षेत्र के लिए

प्रेरणादायक है। इस अवसर पर भाजपा नेता अशोक वडे, प्रशांत संखे, वरिष्ठ पत्रकार आशाद शेख, अनिल शेलार, शिंदे शिवसेना गुट के रईस खान, सरावली ग्राम पंचायत के सरपंच आनंद धोडी, उप सरपंच श्री वडे सहित क्षेत्र के विभिन्न धर्म, समाज और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। इस इफ्तार का आयोजन भाजपा के अहमद खान द्वारा बोईसर बोईसर के खैरपाड़ा में शुक्रवार को किया गया।

राजद नेता तौकीर मंसूरी की माँ और गरम हवा उर्दू दैनिक के संपादक मोहम्मद शकील की नानी का निधन

मुंबई हलचल/संवाददाता

मधुबनी/सासाराम। बड़े दुःख के साथ ये सूचना दी जाती है कि राजद के नेता तौकीर मंसूरी की माँ और गरम हवा उर्दू दैनिक के संपादक मोहम्मद शकील की नानी नूरजहाँ खातून का निधन सासाराम स्थित उनके आवास पर दिनांक 28 मार्च 2025 बरोज जुमा को शाम के 05:00 बजे हो गया। उनकी उम्र 75 वर्ष थी जो लगभग दो वर्षों से बीमार चल रही थी। मरहुमा ने अपने पीछे पूरा भरा परिवार को छोड़ा है। उनकी जनाजा की नमाज 29 मार्च 2025 दिन सनीचर को 09:30 बजे सुबह मुहल्ला खिलनगंज के मैदान में अदा की जाएगी और हाजी हरमैन के तीनकोनी बाग में आखरी रसुमात यानी सुपुर्द -ए- खाक की जाएगी। सभी अजीज व आकारीब (शुभचिंतकों) से जनाजे में शिरकत की गुजारिस करते हुए मरहुमा के लिए दुआ ए मगफिरत के लिए सामिल हों।

राष्ट्रवादी असंघटिक कामगार विभाग में प्रदेश संघटक सचिव पद पर कांचन शिरभे की नियुक्ती

मुंबई। जालना तालुका में मानेगाव की रहने वाली राष्ट्रवादी काँग्रेस की कार्यकर्ता कांचन राजु शिरभे को राष्ट्रवादी असंघटिक कामगार विभाग पर प्रदेश संघटक सचिव पद पर नियुक्त किया गया है। मुंबई राष्ट्रवादी काँग्रेस पार्टी कार्यालय में प्रदेशाध्यक्ष मनोज व्यवहारे व प्रदेश सरचिटणीस रमेश दिनकर, राष्ट्रवादी जालना जिल्हाधिकारी अध्यक्ष अरविंदराव चव्हाण इनके सहमत से ही नियुक्ती की हैं। इस समय राष्ट्रवादी के पदाधिकारी कार्यकर्ता उपस्थित थे।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

पार्टी में होकर भी नहीं मिल रही अहमियत

राज्य विधानमंडल की 27 समितियों की गुरुवार को घोषणा की गई। इनमें से सुनील शेलके को रोजगार गारंटी योजना समिति, दौलत दरोडा, किरण लहामटे को अनुसूचित जनजाति कल्याण समिति तथा किरण लहामटे को सदस्य अनुपस्थिति समिति का अध्यक्ष बनाया है। इसके अलावा अजित ने सदस्यों के वेतन और भत्ते से संबंधित संयुक्त समिति तथा पूर्व सदस्यों की पेंशन से संबंधित संयुक्त समिति का प्रमुख पद अपने पास ही रखा है। इस तरह से अजित ने छगन भुजबल और धनंजय मुंडे को विधायी समितियों में कोई स्थान नहीं दिया। उनका यह निर्णय राज्य के सियासी गलियारे में चर्चा का विषय बन गया है। बीड जिले के मस्साजोग गांव के सरपंच संतोष देशमुख की नृशंस हत्या मामले में धनंजय मुंडे के करीबी वाल्मिक कराड की संलिप्तता के कारण अजित पवार, उनकी पार्टी और महायुति सरकार की पहले ही काफी किरकिरी हो चुकी है।

सैफ अली खान अटैक मामले ने लिया नया मोड़

शरीफुल शहजाद के वकील अजय गवली ने बताया है कि अभिनेता सैफ अली खान के चाकू घोंपने के मामले में आरोपी शरीफुल इस्लाम शहजाद ने मुंबई सेशन कोर्ट में जमानत याचिका दायर की है। अपने वकील के माध्यम से दायर याचिका में उन्होंने दावा किया है कि उन्होंने कोई अपराध नहीं किया है और उनके खिलाफ मामला मनगढ़ंत है। फिलहाल यह मामला बांद्रा मजिस्ट्रेट कोर्ट में चल रहा है, लेकिन यह मुंबई सेशन कोर्ट के अधिकार क्षेत्र में आता है। फिलहाल अभिनेता सैफ अली खान पर हमले का यह केस बांद्रा मजिस्ट्रेट कोर्ट में चल रहा है, लेकिन यह मुंबई के सेशन कोर्ट के कार्यक्षेत्र में आता है। जब पुलिस इस मामले में चार्जशीट सीट दाखिल कर देगी तो उसके बाद सैफ अली खान हमले का केस सेशन कोर्ट में ट्रांसफर हो जाएगा। बता दें कि फिलहाल पुलिस ने इस मामले में चार्जशीट दाखिल नहीं की है।

पिता सतीश सालियान हैं दिशा की मौत के जिम्मेदार?

अधिकारी ने बताया कि जांच के तहत मालवणी पुलिस ने दिशा सालियान के दोस्तों और कुछ गवाहों के भी बयान दर्ज किए। उन्होंने कहा दिशा कई कारणों से परेशान चल रही थी। दिशा कामकाज में नाकामी, दोस्तों के साथ गलतफहमी और पिता द्वारा उसके पैसों का दुरुपयोग करने के कारण परेशान रहा करती थी।

अबु आजमी का बीजेपी पर तीखा हमला

अबू आजमी ने कहा कि आज देश में मुसलमानों के अधिकारों का हनन किया जा रहा है। मस्जिदों में घुसकर मुसलमानों को मारा जा रहा है, उन्हे हर मस्जिद के नीचे मंदिर नजर आ रहा है, गाय के नाम पर मुसलमानों को मारा जा रहा है। अबू आजमी ने नागपुर हिंसा की घटना का जिक्र किया और बताया कि किस तरह एक मुसलमान को बेवजह मारा जा रहा है।

खबर संक्षेप

काबुल में फिर खुल सकता है अमेरिकी दूतावास

वॉशिंगटन। अमेरिका और तालिबान अब पुरानी बातों को पीछे छोड़ना चाहते हैं। अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के अफगानिस्तान दौरे और अब काबुल में यूएस दूतावास के फिर से खुलने की संभावना यही संकेत देते हैं कि काबुल और वाशिंगटन के रिश्ते नए दौर में प्रवेश कर रहे हैं। दरअसल, इस्लामिक अमीरात के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने बताया कि वाशिंगटन में अफगान दूतावास को कार्यवाहक सरकार को सौंपने और काबुल में अमेरिकी एंबेसी को फिर से खोलने के लिए बातचीत चल रही है।

व्हाइट हाउस में इफ्तार पार्टी, रमजान मुबारक

वॉशिंगटन। पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच अमेरिका के व्हाइट हाउस में इफ्तार पार्टी हुई। वार्षिक इफ्तार पार्टी की मेजबानी करते हुए राष्ट्रपति ट्रंप ने सभी अमेरिकी मुस्लिमों को रमजान मुबारक कहा। ट्रंप ने कहा कि हम मुस्लिम समुदाय से किए गए वादों को निभा रहे हैं। मध्य पूर्व में स्थायी शांति स्थापित करने के लिए कूटनीतिक प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में उनका समर्थन करने वाले लाखों मुस्लिम-अमेरिकियों का शुक्रिया अदा किया। ट्रंप ने कहा कि मुस्लिम समुदाय हमारे साथ था और है।

लोकसभा में प्रश्नकाल में बोले विदेश मंत्री, पाक में अल्पसंख्यकों की दयनीय स्थिति पर भारत की पैनी नजर

पाकिस्तान की मानसिकता बदलना असंभव, ये काम इंदिरा गांधी भी नहीं कर पाईं: जयशंकर

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने शुक्रवार को लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान यह साफ कर दिया कि भारत अपने पड़ोसी देश पाकिस्तान की कट्टरता और धर्मांधता वाली मानसिकता को नहीं बदल सकता है। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी भी ऐसा नहीं कर पाई थीं। उन्होंने कहा, हमारे पड़ोसी देश में हिंदू समेत अन्य धार्मिक अल्पसंख्यकों पर हमलों और उनके उत्पीड़न के कई मामले सामने आ चुके हैं। लेकिन पाकिस्तान की सरकार अल्पसंख्यकों के संरक्षण के लिए कोई कार्रवाई नहीं करती है।

पड़ोसी देश पाक की कट्टरता और धर्मांधता वाली मानसिकता को नहीं बदल सकता है

भारत सरकार अपने पड़ोसी देशों पाकिस्तान और बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के साथ होने वाले व्यवहार पर बेहद करीब से नजर रखती है। हम इस विषय को समय-समय पर संयुक्त राष्ट्र (यूएन) समेत अन्य अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उठाते रहते हैं, आगे भी ऐसा करते रहेंगे। 2014 से अब तक पाकिस्तान से भारत आने वाले अल्पसंख्यकों को 15 हजार 19 लांग टर्म वीजा प्रदान किए गए हैं। शिवसेना (यूबीटी) सांसद अरविंद सावंत ने सदन में पाकिस्तान में घटती हिंदुओं की जनसंख्या और उनके उत्पीड़न को लेकर विदेश मंत्री से एक पूरक प्रश्न पूछा था। उनके अलावा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद अरुण कुमार सिंह और रविशंकर प्रसाद ने पाकिस्तान और बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की मौजूदा स्थिति जानने के लिए सवाल पूछे थे।

यूएन में मामले को उठाया

फरवरी 2025 में सामने आए 15 मामले

विदेश मंत्री ने बताया कि पाकिस्तान में इस साल फरवरी महीने में हिंदू सहित अन्य अल्पसंख्यकों के खिलाफ अत्याचारों के कुल 15 मामले सामने आए हैं। इसमें हिंदुओं से जुड़े 10, सिखों से जुड़े 2, ईसाई समुदाय से जुड़ा 1 मामला और अहमदिया समुदाय से संबंधित 2 मामले शामिल हैं। हिंदुओं के 10 मामलों में 7 अपहरण और जबरन धर्मांतरण से संबंधित हैं। जबकि 2 अपहरण और 1 मामले में पुलिस ने हिंदू छात्रों पर होली खेलने पर कार्रवाई की। जयशंकर ने कहा कि सिख समुदाय के उत्पीड़न के मामलों में पहला एक सिख व्यक्ति पर हमले से जुड़ा है। दूसरे में एक सिख को पुराने गुरुद्वारे को खोलने को लेकर धमकाया गया। ईसाई समुदाय से जुड़े 1 मामले में पाकिस्तान ने समुदाय के एक मानसिक रूप से अस्थिर व्यक्ति के साथ ज्यादती की। अहमदिया समुदाय के खिलाफ उत्पीड़न के 2 मामलों में एक का संबंध समुदाय की एक लड़की के अपहरण, जबरन धर्मांतरण से जुड़ा है। जबकि दूसरे में इनकी एक मस्जिद को सील कर तोड़फोड़ की गई है।

अल्पसंख्यकों का उत्पीड़न राज्य की नीतियां

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान एक ऐसा देश है जहां मानवाधिकारों का उल्लंघन, अल्पसंख्यकों का उत्पीड़न और लोकतांत्रिक मूल्यों का व्यवस्थित क्षरण राज्य की नीतियां हैं। पाकिस्तान ने अपने देश में संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रतिबंधित आतंकवादियों को पनाह दी हुई है। इसलिए उसे मानवाधिकार के मुद्दे पर किसी और को लेक्चर देने की कोई जरूरत नहीं है। जबकि उसका ध्यान अपने लोगों के लिए वास्तविक प्रशासन के साथ-साथ न्याय मुहैया की तरफ होना चाहिए।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले के 72 मामले

जयशंकर ने बताया कि बांग्लादेश में भी अल्पसंख्यकों पर चरमपंथियों के हमले जारी हैं। पिछले साल हिंदू अल्पसंख्यकों पर ऐसे हमलों के 2 हजार 400 मामले सामने आए थे। जबकि इस साल इनकी संख्या 72 रही है। इस संबंध में मैंने बांग्लादेश के विदेश मंत्री के साथ बातचीत में मामले को उठाया है। विदेश सचिव ने अपनी ढाका यात्रा में भी इसका जिक्र किया था। यह मुद्दा भारत सरकार के लिए चिंता का विषय बना हुआ है। दो सप्ताह पहले संयुक्त राष्ट्र महासभा में भारत के राजदूत ने पाकिस्तान को उक्त मामले में खरी-खोटी सुनाते हुए आईना दिखाया था।

कठुआ में भीषण मुठभेड़

जैश के 5 आतंकी ढेर, 4 जवान शहीद और 5 सुरक्षाकर्मी घायल

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले के सुदूर जंगली इलाके में गुरुवार सुबह सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच भीषण मुठभेड़ हुआ। इस मुठभेड़ में जैश के 5 आतंकियों के मारे जाने की सूचना है। वहीं, चार जवान बलिदान हो गए हैं और डीएसपी सहित पांच सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। इनमें एक पैरा कमांडो भी शामिल है। ये सभी आतंकी जैश-ए-मोहम्मद के मुखौटा संगठन पीपुल्स एंटी-फासिस्ट फ्रंट के बताए जा रहे है। गुरुवार सुबह से देर शाम तक रुक-रुक कर दोनों तरफ से गोलीबारी जारी रही।

पुलिस ने राकेट लांचर छोड़े

डीएसपी बार्डर धीरज कटोज के अलावा पांच जवान जख्मी हुए। डेढ़ घंटे तक चली मुठभेड़ के बाद अचानक गोलीबारी बंद हो गई। बाद में पुलिस ने राकेट लांचरों का इस्तेमाल किया। आतंकियों ने फिर गोलीबारी शुरू कर दी जो देर शाम तक चली। मुठभेड़ में बलिदान पुलिस के तीन जवान एसओजी का हिस्सा थे। इनके पेट और सिर पर गोलियां लगी हैं। पुलिस इसकी पुष्टि नहीं कर रही है। घायलों में अखनूर निवासी एसपीओ भरत चलोत्रा को जीएमसी जम्मू में, हीरानगर के एसपीओ हैप्पी शर्मा को जीएमसी कठुआ में लाया गया। बाद में उन्हें जीएमसी जम्मू रेफर कर दिया।

एक ग्रामीण ने दी थी सूचना

सुबह आठ बजे हीरानगर के राजबाग क्षेत्र के जुथाना के अंबानाल में एक ग्रामीण ने हथियारों से लैस पांच आतंकियों को देख पुलिस को जानकारी दी। ये आतंकी बिलावर की तरफ निकल रहे थे। कुछ ही देर में पुलिस की टुकड़ी मौके पर पहुंच गई।

राज्यसभा में प्रश्नकाल और केंद्रीय कृषिमंत्री शिवराज सिंह के जवाब

किसानों की रजिस्ट्री में मुश्किलें अब बीते दिनों की बात, 'अन्नदाता' की आमदनी बढ़ाने में जुटी सरकार

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

राज्यसभा के प्रश्नकाल के दौरान केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने किसान भूमि रजिस्ट्री से संबंधित परेशानियों और इसके समाधान पर विस्तार से बात की। उनके जवाब का मुख्य फोकस किसान रजिस्ट्री को और प्रभावी बनाने तथा इससे जुड़ी समस्याओं को दूर करने पर था।

शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि किसान रजिस्ट्री को राज्य के राजस्व विभाग के रिकॉर्ड से जोड़ा गया है, ताकि भूमि के मालिकाना हक में बदलाव (जैसे खरीद-बिक्री) की जानकारी तुरंत अपडेट हो सके। उन्होंने एक उदाहरण देते हुए कहा कि अगर कोई किसान अपनी जमीन बेचता है, तो रजिस्ट्री में यह तत्काल दर्ज हो जाएगा कि अब यह जमीन पुराने मालिक (उदाहरण के लिए, शिवराज) के नाम पर नहीं, बल्कि नए मालिक (जैसे, गिरिराज) के नाम पर है। इससे भूमि स्वामित्व को लेकर होने वाली अस्पष्टता और विवादों में कमी आएगी।

किसानों की आय बढ़ाने की रणनीति का बताया फार्मूला

किसानों की आय बढ़ाने की रणनीति का फार्मूला बताते हुए उन्होंने राज्यसभा में कहा, प्रति हेक्टेयर उत्पादन बढ़ाना। उत्पादन लागत को कम करना। सूक्ष्म सिंचाई (माइक्रो इरिगेशन) और कृषि मशीनीकरण को बढ़ावा देना। नई तकनीकों और कृषि पद्धतियों को अपनाना। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के माध्यम से बेहतर बीज और अनुसंधान को प्रोत्साहन। किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य सुनिश्चित करना। येसब ऐसे कदम हैं जिनसे किसानों की आमदनी में जमीन आसमान का अंतर आया है।

रजिस्ट्री ऐसे हुई आसान

उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि पहले भूमि रजिस्ट्री में अपडेट होने में देरी और कागजी प्रक्रियाओं की जटिलता के कारण किसानों को परेशानी होती थी। कई बार गलत जानकारी या बिचौलियों के हस्तक्षेप से सही लाभार्थी तक सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं पहुँच पाता था। अब डिजिटल रजिस्ट्री और राजस्व रिकॉर्ड के साथ इसके एकीकरण से पारदर्शिता बढ़ी है और किसानों को उनकी जमीन की वास्तविक स्थिति की सटीक जानकारी मिल रही है।इसके अलावा, चौहान ने कहा कि यह कदम डिजिटल इंडिया पहल का हिस्सा है, जिसके तहत किसानों की डिजिटल पहचान बनाई जा रही है। इससे प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, फसल बीमा योजना और अन्य सब्सिडी योजनाओं का लाभ सीधे सही किसानों तक पहुँच रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि किसानों को अपनी जमीन से जुड़ी किसी भी परेशानी का सामना न करना पड़े और उनकी मेहनत का पूरा फल उन्हें मिले।

डिजिटल फसल सर्वेक्षण से क्रांति

एक दूसरे सवाल के जवाब में केंद्रीय कृषिमंत्री ने डिजिटल फसल सर्वेक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, यह पहल किसानों को उनकी फसलों का सटीक डेटा प्रदान करने और सरकारी योजनाओं के लाभ को सही तरीके से वितरित करने में मदद करती है। इससे यह स्पष्ट हो जाता है कि किसान ने कौन सी फसल बोई है, जिससे सब्सिडी, बीमा, और न्यूनतम समर्थन मूल्य जैसी सुविधाएं सही लाभार्थियों तक पहुंचती हैं। यह कदम डिजिटल इंडिया के तहत कृषि क्षेत्र में पारदर्शिता लाने का हिस्सा है।

पीएम फसल बीमा योजना वरदान

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना पर उन्होंने कहा, इस मद में 66 हजार करोड़ से बढ़ाकर 69 हजार करोड़ का प्रावधान किया गया है। यह योजना प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित किसानों के लिए एक सुरक्षा कवच प्रदान करती है। मोदी सरकार ने 2014-2024 तक 20 लाख करोड रुपये की एमएसपी खर्च कर किसानों की फसल खरीदी।

चीन, स्थिर सैन्य संबंध व सीमा मुद्दे का समाधान चाह रहा

चीनी सेना अच्छे सैन्य रिश्ते के पक्ष में, भारत के साथ संबंधों को मजबूत करेंगे

पीपुल्स लिबरेशन ऑर्मी प्रमुख भारतीय समकक्ष के साथ काम करने को राजी

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

भारत और चीन की वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) से जुड़े सवालों पर एक ब्रीफिंग में पीपल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के सीनियर कर्नल वू कियान ने कहा कि चीनी सेना सीमा मुद्दे पर निष्पक्ष और न्यायपूर्ण समाधान को लागू करने के लिए भारतीय समकक्षों के साथ मिलकर काम करने को तैयार है। चीनी सेना अच्छे सैन्य रिश्ते रखने के सुंदर दृष्टिकोण में अपनी बुद्धि और शक्ति का योगदान देना चाहेगी। कर्नल वू कियान ने गुरुवार को कहा कि चीन भारत के साथ सैन्य संबंधों को सुधारने के साथ उन्हें मजबूत करने का भी इच्छुक है।

चीन की सेना भी ड्रैगन (चीन) और हाथी (भारत) के बीच सहयोग तथा सैन्य संबंध को सुदृढ़ बनाने में योगदान देना चाहेगी। दोनों देशों के बीच सहयोग हाल ही में चीन में एक प्रमुख विषय बन गया है।

सकारात्मक दिशा में हुई वार्ता

पीएम नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनफिंग के प्रयासों से भारतीय सेना के साथ उसके संबंधों में सुधार हो रहा है। विगत 25 मार्च को भारत और चीन के कूटनीतिक अधिकारियों ने आपसी संबंधों को बेहतर बनाने और सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाने पर विचार-विमर्श किया। यह बैठक दोनों देशों के लिए एक महत्वपूर्ण मौका थी, जिसमें एलएसी पर तनाव को कम करने और भविष्य में ऐसे वार्तालापों को और मजबूत करने पर चर्चा की गई। इसके साथ ही विदेश मंत्रालय ने बताया कि दोनों देशों के बीच हुई यह वार्ता एक सकारात्मक दिशा में बढ़ी है, और अगले दौर की वार्ता के लिए तैयारियों को लेकर दोनों पक्षों ने मिलकर कदम उठाने पर सहमति जताई है।

युद्धक्षेत्र में सफलता से उत्साहित पुतिन बोले

यूएन प्रायोजित बाहरी शासन के अधीन रहे यूक्रेन, लोकतांत्रिक चुनाव करवाए

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

यूक्रेन के खिलाफ युद्धक्षेत्र में सफलता से रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन काफी उत्साहित है। शुक्रवार की सुबह टेलीविजन पर प्रसारित अपने संबोधन में उन्होंने रूसी परमाणु पनडुब्बी के चालक दल को संबोधित किया। इस दौरान व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि यूक्रेन को संयुक्त राष्ट्र प्रायोजित बाहरी शासन के अधीन रखा जाए। पुतिन ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र के तहत, अमेरिका और यूरोपीय देशों के साथ, वे यूक्रेन में अस्थायी शासन स्थापित करने पर विचार कर सकते हैं।

शांति सेना स्वीकार नहीं

रूस ने चेतावनी दी है कि वह नाटो देशों के सैनिकों को शांति सेना के रूप में स्वीकार नहीं करेगा। पुतिन ने इस दौरान मांग की है कि कीव उन चार क्षेत्रों से अपनी सेना वापस ले ले, जिन पर मॉस्को ने आंशिक रूप से कब्जा कर लिया है। वह यह भी चाहते हैं कि यूक्रेन नाटो में शामिल होने से इनकार करे, अपनी सेना में भारी कटौती करे और देश को मॉस्को की कक्षा में रखने के लिए कानूनी रूप से रूसी भाषा और संस्कृति की रक्षा करे।

जेलेंस्की गैरकानूनी शासक

पुतिन ने यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की को गैरकानूनी शासक बताया, क्योंकि उनका कार्यकाल पिछले साल समाप्त हो गया था और उनके अनुसार, कोई भी समझौता जो वर्तमान यूक्रेनी सरकार के साथ किया जाएगा, बता दें कि, यूक्रेन के संविधान के तहत देश में मार्शल लॉ के दौरान राष्ट्रीय चुनाव कराना अवैध है।

राज्यसभा में भारत के वीर योद्धा पर टिप्पणी गूंजी

लोकसभा में उठा सांगा के अपमान का मुद्दा, स्थगित हुई कार्यवाही

शोर शराबा बढ़ने पर पीठासीन सभापति पाल ने की कार्यवाही

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

संसद के उच्च सदन राज्यसभा में भारत के वीर योद्धा और महान शासक राणा सांगा पर की गई अपमानजनक टिप्पणी के मामले की गूंज शुक्रवार को लोकसभा में सुनाई दी। शून्यकाल के दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखा वाद-विवाद हुआ। शोर शराबा बढ़ने पर पीठासीन सभापति जगदंबिका पाल ने कार्यवाही को 1 बजकर 2 मिनट से लेकर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया। सदन में इस विषय को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के जयपुर ग्रामीण से सांसद राव राजेंद्र सिंह ने उठाया और कहा कि राजस्थान के वीर योद्धा को लेकर राज्यसभा में जिस तरह के शब्दों का

प्रयोग किया गया है। मैं उसकी घोर निंदा करता हूं। उन्होंने विपक्ष से सवाल पूछते हुए कहा कि क्या वो राज्यसभा में समाजवादी पार्टी के सांसद के बयान का समर्थन करते हैं? इस पर समाजवादी पार्टी के सांसद धर्मेंद्र यादव कुछ बोलने के लिए खड़े हुए। लेकिन उन्होंने राणा सांगा की जगह पर 17वीं लोकसभा में सदन में एक मुस्लिम सदस्य के अपमान का मुद्दा उठाया। जिस पर पीठासीन सभापति ने उन्हें टोकते हुए कहा कि वर्तमान की बात कीजिए। पुराने मुद्दे को आज उठाने का कोई औचित्य नहीं है। इस दौरान लोकसभा में हंगामा चलता रहा। जिसकी वजह से सपा सांसद की बात रिकार्ड में दर्ज नहीं हो सकी और पीठासीन सभापति ने कार्रवाई को एक घंटे के लिए स्थगित कर दिया। गौरतलब है कि यह पूरा मामला हाल ही में राज्यसभा में सपा सदस्य रामजी लाल सुमन द्वारा एक चर्चा में भाग लेते हुए की गई टिप्पणी से जुड़ा हुआ है। जिसमें उन्होंने राणा सांगा को गद्दार बताते हुए कहा था कि उन्होंने बाबर को परास्त करने के लिए इब्राहिम लोधी को आमंत्रित किया था।

राणा सांगा का अपमान, नहीं सहेगा हिंदुस्तान

भाजपा के वरिष्ठ सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा कि राणा सांगा भारत की विरासत हैं। उनका त्याग और बलिदान देशवासियों को गौरवान्वित करता है। वह हमारे प्रेरणास्रोत हैं। लेकिन उनके बारे में हल्की बातें की गई हैं, जिसकी हम निंदा करते हैं। उन्होंने कहा, देश के महान प्रतीकों में से एक चाहे वो शिवाजी हों या राणा सांगा, उनका अपना नहीं सहेगा हिंदुस्तान।

विवादित टिप्पणी में कामरा को मिली अंतरिम जमानत

चेन्नई। मद्रास उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को स्टैंड-अप कॉमेडियन कुणाल कामरा को महाराष्ट्र के राजनेता के बारे में कथित विवादास्पद टिप्पणी को लेकर उनके खिलाफ दर्ज कई एफआईआर के संबंध में अंतरिम अग्रिम जमानत दे दी। न्यायमूर्ति सुंदर मोहन ने शर्तों के साथ 7 अप्रैल तक अंतरिम अग्रिम जमानत का आदेश दिया। कामरा ने ट्रांजिट अग्रिम जमानत के लिए मद्रास उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था, जिसमें दावा किया गया कि उनके हालिया व्यंग्यात्मक टिप्पणियों के बाद उन्हें कई धमकियां मिल रही हैं। इससे पहले कामरा ने मुख्यधारा के मीडिया की आलोचना की।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

उद्योगों की वृद्धि दर घटकर पांच माह के निचले स्तर पर

प्रमुख बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर फरवरी में घटकर 2.9 फीसदी पर आई

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

देश के आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर फरवरी में घटकर पांच महीने के निचले स्तर 2.9 प्रतिशत पर आ गयी। शुक्रवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों से यह जानकारी मिली। पिछले साल इसी महीने में बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर 7.1 प्रतिशत रही थी।

मासिक आधार पर इन उद्योगों की वृद्धि दर जनवरी में दर्ज 5.1 प्रतिशत की वृद्धि से कम रही। इससे पहले सितंबर में 2.4 प्रतिशत की न्यूनतम वृद्धि दर्ज की गई थी। फरवरी में कच्चा तेल तथा प्राकृतिक गैस उत्पादन की वृद्धि में गिरावट आई।

बिजली की उत्पादन वृद्धि 2.8 फीसदी रही

कोयला, रिफाइनरी उत्पाद, इस्पात और बिजली की उत्पादन वृद्धि क्रमशः 1.7 प्रतिशत, 0.8 प्रतिशत, 5.6 प्रतिशत और 2.8 प्रतिशत रही। फरवरी 2024 में यह 11.6 प्रतिशत, 2.6 प्रतिशत, 9.4 प्रतिशत और 7.6 प्रतिशत थी। हालांकि, समीक्षाधीन महीने में उर्वरक तथा सीमेंट उत्पादन में क्रमशः 10.2 प्रतिशत और 10.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

आईआईपी में 40.27 फीसदी का योगदान

चालू वित्त वर्ष 2024-25 की अप्रैल-फरवरी अवधि में कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पाद, उर्वरक, इस्पात, सीमेंट और बिजली की वृद्धि दर 4.4 प्रतिशत रही। पिछले वित्त वर्ष 2023-24 की समान अवधि में यह 7.8 प्रतिशत थी। आठ प्रमुख क्षेत्र औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) में 40.27 प्रतिशत का योगदान करते हैं। आईआईपी समग्र औद्योगिक विकास को मापता है।

राजकोषीय घाटा फरवरी अंत तक निर्धारित लक्ष्य पर

केंद्र का राजकोषीय घाटा फरवरी, 2025 के अंत तक समूचे वित्त वर्ष के लिए निर्धारित लक्ष्य का 85.8 प्रतिशत हो गया। शुक्रवार को महालेखा नियंत्रक (सीजीए) ने यह आंकड़े जारी किए। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, अप्रैल 2024 से लेकर फरवरी 2025 के बीच केंद्र सरकार का राजकोषीय घाटा वास्तविक संदर्भ में 13,46,852 करोड़ रुपये रहा।

- पिछले साल इसी माह में वृद्धि दर 7 .1 फीसदी रही
- फरवरी में कच्चा तेल व गैस के उत्पादन में रही गिरावट
- कोयला वृद्धि दर 1.7 प्रतिशत पर दर्ज की गई

संशोधित अनुमान आरई का 86.5 प्रतिशत : सरकार के व्यय और राजस्व के बीच का अंतर राजकोषीय घाटा कहा जाता है। एक साल पहले की समान अवधि में यह घाटा वित्त वर्ष 2023-24 के संशोधित अनुमान (आरई) का 86.5 प्रतिशत था। सीजीए के आंकड़ों से पता चला है कि केंद्र सरकार का कर राजस्व (शुद्ध) 20 लाख करोड़ रुपये यानी वित्त वर्ष 2024-25 के संशोधित अनुमान का 78.8 प्रतिशत था।

राजकोषीय घाटा 15.69 लाख करोड़ रहने का अनुमान

मौजूदा कीमतों के आधार पर मार्च 2025 को समाप्त होने वाले वित्त वर्ष के लिए राजकोषीय घाटा 15.69 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान है। आंकड़ों के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-फरवरी अवधि में कुल राजस्व व्यय में से 9.52 लाख करोड़ रुपये ब्याज भुगतान और 3.63 लाख करोड़ रुपये प्रमुख सब्सिडी मद में हुए थे। सीजीए ने कहा कि फरवरी, 2025 तक सरकार ने करों के हिस्से के रूप में राज्य सरकारों को 11.80 लाख करोड़ रुपये हस्तांतरित किए, जो पिछले वर्ष की तुलना में 1.47 लाख करोड़ रुपये अधिक है।

घाटा जीडीपी का 4.8 प्रतिशत संभव

पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में यह 79.6 प्रतिशत था। केंद्र सरकार के राजस्व-व्यय के आंकड़ों के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष के पहले 11 महीनों में कुल व्यय 38.93 लाख करोड़ रुपये यानी संशोधित अनुमान का 82.5 प्रतिशत था। एक साल पहले की अवधि में यह 83.4 प्रतिशत था। केंद्रीय बजट में वित्त वर्ष 2024-25 के लिए राजकोषीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 4.8 प्रतिशत और 2025-26 के लिए 4.4 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया है।

गर्दनीबाग में धरना-प्रदर्शन 'वक्फ संशोधन विधेयक वापस लो, वापस लो' के नारों से गूंजता रहा

मधुबनी। फुलवारी शरीफ, 26 मार्च 2025: बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल के विभिन्न जिलों के हजारों की संख्या में विभिन्न धर्मों, बौद्ध, सिख, जैन, ओबीसी के विद्वानों, बुद्धिजीवियों, राजनीतिक और सामाजिक कार्यकताओं, प्रतिनिधियों ने पटना शहर में वक्फ संशोधन विधेयक 2024 के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया और गर्दनी बाग धरना स्थल पर नारेबाजी करते हुए कहा कि यह विधेयक संविधान और संविधान के मूल प्रावधानों के खिलाफ है, इससे धार्मिक अधिकार प्रभावित होंगे और वक्फ संपत्तियों पर अवैध कब्जा होगा। इसलिए केंद्र सरकार को इस विधेयक को तुरंत वापस लेना चाहिए और धर्मनिरपेक्ष दलों, खासकर एनडीए और एनडीए के सहयोगी जेडी(यू), टीडीपी और एलजेपी को केंद्र सरकार पर दबाव बनाना चाहिए कि अगर वह इस विधेयक को वापस नहीं लेती है तो हम अपना समर्थन वापस ले लेंगे। यह विरोध प्रदर्शन बिहार के सभी राष्ट्रीय दलों के सहयोग से ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लेबर बोर्ड के बैनर तले आयोजित किया गया था। इस विरोध प्रदर्शन के अध्यक्ष हजरत मौलाना फजलुर रहीम थे। मुजद्दिदी ने कहा कि यह विधेयक न्याय और निष्पक्षता की अपेक्षाओं के पूरी तरह खिलाफ है। हम सब इस क्रूर वक्फ विधेयक के खिलाफ तब तक आंदोलन चलाएंगे जब तक इसे वापस नहीं ले लिया जाता। उन्होंने बिहार के मुख्यमंत्री से कहा कि आपके इर्द-गिर्द कुछ मुस्लिम बुद्धिजीवी घूम रहे हैं जो आपको गलत सलाह देकर गुमराह कर रहे हैं। वे न तो पार्टी के प्रति वफादार हैं और न ही आपके प्रति। वे केवल कुर्सी और सत्ता के लालची हैं। ऐसे चेहरों को पहचानें और सावधान

रहें। वक्फ संशोधन विधेयक पर अपना धर्मनिरपेक्ष रुख स्पष्ट करें और केंद्र सरकार से समर्थन वापस लें। उन्होंने मुसलमानों से शुक्रवार को काली पट्टी बांधकर इस काले कानून के खिलाफ विरोध दर्ज कराने को कहा। अमीरे शरीयत बिहार, ओडिशा एवं झारखंड हजरत मौलाना सैयद अहमद वली फैसल रहमानी ने कहा कि विधेयक की 44 धाराएं ऐसी हैं जो बंदोबस्ती के उद्देश्य को विफल करती प्रतीत होती हैं, इससे सरकार को मुसलमानों की बंदोबस्ती संपत्तियों पर कब्जा करने या दूसरों को कब्जा कराने का रास्ता साफ हो जाएगा। इसलिए हम इस विधेयक को सिरे से अस्वीकार करते हैं। धरने पर बैठे लोगों ने एक सुर में नारा लगाया, बिल वापस लो, वापस लो, धरने पर बैठे प्रतिभागियों ने हाथों में बैनर लेकर सभ्य नारे भी लगाए। जमात-ए-इस्लामी हिंद के अमीर इंजीनियर श्री सआदतुल्लाह हुसैनी ने कहा कि जो राजनीतिक दल इस बिल का समर्थन करेंगे, वे धर्मनिरपेक्ष नहीं हो सकते क्योंकि यह बिल शरीयत में सीधा हस्तक्षेप है, इसलिए आप लोग अपने क्षेत्र के सांसदों और विधायकों को इस बिल के संबंध में जवाबदेह बनाएं। बोर्ड के प्रवक्ता कासिम रसूल इलियास ने धरने में शामिल लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र सरकार अब हमारे धैर्य की परीक्षा न ले, हम सब कुछ बर्दाश्त कर सकते हैं लेकिन धर्म और शरीयत पर हमला बर्दाश्त नहीं करेंगे। हम चुप नहीं बैठेंगे, हजरत मौलाना मुहम्मद शमशाद रहमानी कासमी साहब, नायब अमीर शरीयत बिहार, ओडिशा एवं झारखंड ने कहा कि ईश्वर की इच्छा से हमारी आवाज पूरे देश तक पहुंचेगी। पूर्व सांसद श्री मुहम्मद अदीब ने कहा कि केन्द्र सरकार का उत्पीड़न चरम पर पहुंच गया है, जो असहनीय है। मौलाना मुहिबुल्लाह नदवी सांसद ने कहा कि केंद्र सरकार ने संविधान को खिलौना बना दिया है, हम इस संविधान को बचाने के लिए हर तरह से संघर्ष करेंगे। सांसद श्री ई.टी. बशीर ने कहा कि बिहार बलिदानों की धरती रही है, यह लड़ाई गली-गली तब तक लड़ी जाएगी जब तक वक्फ बिल वापस नहीं हो जाता।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

चेहरा धोते समय रखें इन बातों का ध्यान

चेहरा धोना शरीर की साफ-सफाई का सबसे अहम हिस्सा है। लंबे समय से लोग अपना चेहरा धोने के लिए कोई न कोई पारंपरिक उत्पाद प्रयोग करते रहे। समय बदला और आज लोग और फेसवॉश जैसी चीजें इस्तेमाल करने लगे हैं जिनमें रसायनों का काफी प्रयोग होता है। इसलिए वक्त है कि हम जान लें चेहरा धोने के दौरान कौन सी सावधानियां रखनी चाहिए।

अपनी त्वचा के अनुसार चुनें

चेहरे की त्वचा बहुत मुलायम होती है इसके बावजूद हर व्यक्ति की त्वचा अलग होती है। जरूरी नहीं कि जो साबुन या फेसवॉश किसी और को सही लगा वह आपको भी फायदा करेगा। इसलिए ऐसी चीज चुनें जो हल्के असर वाली हो। एक गलतफहमी है कि जितना झाग निकलेगा चेहरा उतना साफ होगा। पर है इसका उलटा, ज्यादा झाग निकलने का मतलब इसमें डिटरजेंट कंटेंट ज्यादा है जो आपकी मुलायम स्किन को नुकसान पहुंचा सकता है।

पानी न ज्यादा ठंडा

न ज्यादा गरम

जिस पानी से हम अपना चेहरा धोने जा रहे हैं उसका तापमान संतुलित होना चाहिए। उसे न तो बहुत ज्यादा गरम और न बहुत ठंडा होना चाहिए। ऐसा न होने पर चेहरे की त्वचा को नुकसान पहुंच सकता है।

मेकअप हटाने के लिए फेसवॉश नहीं

मेकअप हटाने के लिए फेसवॉश की जगह रिमूवर या अच्छे मॉइश्चराइजर का प्रयोग करें। इसके बाद फेसवॉश लगाएं। कुछ लोग क्लेंजर, टोनर फिर मॉइचराइजर लगाते हैं।

जरूरी नहीं दूध, दही वास्तव में कारगर हों

कुछ लोग बाजार से फेसवॉश खरीदने की जगह घर पर दही और दूध से चेहरा साफ करते हैं। लेकिन कभी-कभी इनसे चेहरा ठीक से साफ नहीं होता और ब्लैक हेड की समस्या हो जाती है। साबुन भी अच्छा विकल्प नहीं है क्योंकि उनका पीएच बैलेंस्ड नहीं रहता है। कोई भी नया फेसवॉश कोई और प्रॉडक्ट इस्तेमाल करने से पहले उसे अपने कान के पीछे की त्वचा पर लगा कर 48-72 घंटे तक देखना चाहिए। अगर यह आपको नुकसान नहीं पहुंचाता तो इसे इस्तेमाल कर सकते हैं।

ओट्स आपकी स्किन को बनाएं हेल्थी और ब्यूटीफुल

ओट्स या जई सेहत के लिहाज से सुपरफूड के नाम से जाने जाते हैं। इनके बारे में कहा जाता है कि ओट्स का चूरा या ओट मील खाने से डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर या नर्वस सिस्टम की परेशानियां सभी चीजों में राहत मिलती है। लेकिन ओट्स जितने आपके सेहत के लिए फायदेमंद हैं उतने ही आपकी खूबसूरती में भी चार चांद लगा सकते हैं, बशर्ते आपको इनका सही इस्तेमाल आता हो।

आपकी स्किन का ग्लो लौटाते हैं

धूप, धूल और धुएं के वार से हमारी स्किन खासकर चेहरे को बहुत नुकसान पहुंचता है। यह रूखी और बेजान सी हो जाती है। इससे ही चलकर बाद में खुजली और इन्फेक्शन की समस्या पैदा होती है। लेकिन अगर हम अपने किचन में मौजूद सुपरफूड ओट्स से एक ब्यूटी पैक बनाएं और उसे चेहरे पर लगाएं तो न केवल हमारी स्किन की चमक वापस लौटेगी बल्कि वह और स्वस्थ हो जाएगी।

कैसे बनाएं यह ब्यूटी पैक

एक कप सूखे ओट्स को ग्राइंडर में पीसने के बाद उसे गरम पानी से भरे बाथटब में डालिए। पानी में अपनी पसंद का रोज, चंदन या लैवेंडर ऑइल डालिए। अब इस पानी में 10 से 15 मिनट बैठिए। पानी से बाहर निकल कर नरम तौलिए से शरीर पोंछिए। हफ्ते में दो बार ऐसा करें।

बेहतरीन स्किन क्लैंजर है ओट्स

अपने रूखेपन की वजह से ओट्स बहुत अच्छे स्क्रब साबित होते हैं। इसलिए अपने फेस वॉश से चेहरा साफ करने या पार्लर जाकर केमिकल फेस वॉश का इस्तेमाल करने से अच्छा है कि आप अपने घर पर ही यह स्क्रब बनाएं।

इसके लिए आप एक टेबलस्पून दही में एक टेबलस्पून ओट्स पाउडर मिलाएं। कुछ बूंदे शहद की डाल कर एक पेस्ट बनाएं। इसे अपने चेहरे पर 15 मिनटों के लिए लगाएं इसके बाद गुनगुने पानी से धो डालें। आप इसमें दही की जगह एक टेबलस्पून दूध, कुछ शहद और ऑलिव ऑइल मिलाकर पेस्ट बनाएं। ध्यान रहे कि ओट्स को बहुत बारीक न पीसें वरना उचित लाभ नहीं मिलेगा।

जानिए कौन सा तेल है खास आपके बालों के लिए

बचपन से हमारी मां, दादी या नानी हमें बालों में तेल लगाने के लिए कहते आए हैं। जैसे-जैसे हम बड़े होते गए हमें यह बीते जमाने की बात लगने लगी, पर दरअसल ऐसा है नहीं। आज वैज्ञानिक भी बालों में तेल लगाने के फायदों का जिक्र करने लगे हैं। पर यह जानना ज्यादा जरूरी है कि आपके बालों के हिसाब से कौन सा तेल आपके लिए ज्यादा फायदेमंद है। जब हम अपने सिर में तेल की मालिश करते हैं तो तेल हमारे सिर की त्वचा में अंदर तक जाता है। इससे तेल हमारे बालों की जड़ों तक पहुंचता है और जड़ से अंतिम सिरे तक बालों को पोषण मिलता है। मालिश से हमारे सिर में खून का संचार बढ़ता है जिससे बाल मजबूत होते हैं। अब आइए जानते हैं कि अलग-अलग किस्म के बालों के लिए कौन सा तेल बेहतर है:

हल्के बालों के लिए वर्जिन कोकोनट ऑइल

जिन लोगों के बाल हल्के होते हैं उन्हें ऐसे तेल की जरूरत होती है जो ज्यादा चिपचिपा और भारी न हो, क्योंकि ऐसा तेल लगाने से हल्के बाल आपस में चिपक जाते हैं। इसलिए हल्के बालों के लिए वर्जिन कोकोनट ऑइल या रोजमैरी ऑइल अच्छा माना जाता है। यह हल्का है साथ ही चिपचिपा भी नहीं है इससे यह आपके बालों को बिना आपस में चिपकाए उन्हें पूरा पोषण देता है।

मोटे बालों के लिए ऑलिव ऑइल

ऑलिव ऑइल में मौजूद एंटीऑक्सिडेंट और ओमेगा-3 फैटी एसिड मोटे बालों में चमक लाते हैं और उन्हें और भारी बनाकर आपका लुक नहीं खराब करते।

घुंघराले बालों के लिए बादाम तेल

बादाम के तेल में विटमिन ए, बी और ई बहुत अधिक मात्रा में होते हैं इसलिए ये आपके घुंघराले बालों के लिए एक दम परफेक्ट है। यह दोमुंहे बालों की समस्या को दूर करता है, ब्लड सकुर्लेशन बढ़ाता है, बालों में चमक लाता है।

बेजान बालों के लिए अनार के बीजों का तेल

अनार के बीजों में ट्राइकोसैनिक एसिड होता है जो बेजान बालों में नई चमक और लचीलापन लाता है। इसे लगातार लगाने से बाल चमकदार और स्वस्थ बनते हैं।

चेहरे से ऐसे हटाएं डार्क स्पॉट्स

डार्क स्पॉट्स या ब्लैक स्पॉट्स काले, भूरे या लाल रंग के धब्बे होते हैं जो चेहरे से लेकर हाथ-पैरों तक पर रहते हैं। ये आपकी खूबसूरती को तो कम करते ही हैं, स्किन की हेल्थ भी गिराते हैं, लेकिन घर बैठे कम समय में इनका सलूशन करना मुमकिन है। आप अपने किचन में रखी चीजों से ही डार्क स्पॉट्स से निजात पा सकते हैं। इनकी मदद से डार्क स्पॉट्स तो घटेंगे ही, स्किन ग्लो करने लगेगी और हेल्दी रहेगी।

नींबू का रस

नींबू के रस की ऐसिडिटी ब्लीचिंग एजेंट का काम करती है और चेहरे के अलग-अलग कलर्स को बराबर करता है। इसके लिए कॉटन बॉल से दिन में दो बार नींबू का रस लगाएं। हालांकि, पहले टेस्ट कर लें कि कहीं नींबू के रस के लिए आपकी स्किन सेंसिटिव तो नहीं।

एलोवेरा

एलोवरा की पत्ती को अपने चेहरे पर लगाएं। इसमें ऐंटीऑक्सिडेंट्स होते हैं जो आपकी स्किन के लिए अच्छे होते हैं।

आलू

आलू के स्लाइस काट लें और फिर निशान पर रख दें। कुछ मिनट बाद गुनगुने पानी से धो लें। आलू को शहद में मिलाकर चेहरे पर लगा सकते हैं। इससे भी स्पॉट्स घटते हैं।

डेयरी प्रॉडक्ट

यॉगर्ट या बटरमिल्क जैसे प्रॉडक्ट्स में मौजूद ऐसिड से स्किन एक्सफोलिएट होती है। इसे लगाकर 15-20 मिनट के लिए छोड़ दें और फिर धो दें। चार चम्मच बटरमिल्क में दो चम्मच टमाटर का रस डालें। इन्हें चेहरे पर लगाकर 15 मिनट बाद धो दें।

हल्दी

दो चम्मच, थोड़े से दूध और नींबू के रास को मिलाकर स्पॉट्स के ऊपर लगाएं। कुछ मिनट बाद गुनगुने पानी से धो दें।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

‘नहीं चाहिए हमको कोई विवाद’

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान इन दिनों अपनी मोस्ट अवेटेड फिल्म सिंकदर को लेकर सुर्खियों में है। वहीं फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया जा चुका है और बस 2 दिन बाद यानी 30 मार्च को सिंकदर थिएटर में दस्तक देने वाली है। इसी बीच रिलीज से पहले फिल्म के स्टारकास्ट जोरों-शोरों से इसका प्रमोशन कर रहे हैं। इन सबके बीच हाल ही में फिल्म प्रमोशन के दौरान सलमान ने विवादों और प्रशंसकों की अपेक्षाओं समेत अन्य पहलुओं पर खुलकर बात की। इस दौरान मीडिया से बात करते हुए एक्टर से पूछा गया कि क्या हर फिल्म रिलीज के साथ विवाद एक चलन बन गया है। इसका जवाब देते हुए, अभिनेता ने स्पष्ट किया कि वह सिकंदर को लेकर कोई विवाद नहीं चाहते हैं। अभिनेता ने आगे कहा कि अरे नहीं चाहिए भाई हमको कोई विवाद। बहुत सारे विवादों से गुजरे हैं हम। हमको नहीं चाहिए कोई विवाद। और मुझे नहीं लगता कि विवादों से कोई फिल्म हिट होती है। हमने देखा है, वास्तव में, कभी-कभी विवादों के कारण फिल्म की रिलीज में देरी होती है, उदाहरण के लिए, शुक्रवार से अगले मंगलवार तक। उन्होंने आगे कहा, अभी भी टाइम है भाई। 3 4 दिन निकल जाने दो और पिक्चर रिलीज होने के बाद भी कोई विवाद नहीं चाहिए।

डेट कर रही हैं अनन्या पांडे

बॉलीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे अक्सर अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ को लेकर चर्चा में रहती हैं। हालांकि, कुछ पहले अफवाहे उड़ रही थी एक्ट्रेस का आदित्य रॉय से ब्रेकअप हो गया और वह किसी और को डेट कर रही हैं। लेकिन एक्ट्रेस ने इसकी पुष्टि नहीं की है। दरअसल, उनका नाम काफी वक्त से मॉडल वॉकर ब्लैंको के साथ जोड़ा जा रहा है। इसी बीच ब्लैंको ने अपने इंस्टाग्राम पर एक लेटेस्ट पोस्ट शेयर किए हैं, जिस पर एक्ट्रेस की बहन रायसा पांडे ने कमेंट किया है। जिसके बाद से सोशल मीडिया पर संकेत मिल गया है। वहीं पिछले दिनों अनन्या के बर्थडे पर एक फोटो शेयर करते वॉकर ने प्यारा सा कमेंट लिखा था। अब एक और बड़ा हिंट उन्होंने ड्राप किया है। अनन्या ने वॉकर की लेटेस्ट पोस्ट पर टिप्पणी करते हुए लिखा कि मिस्टर वर्ल्डवाइड। वहीं अनन्या की बहन रायसा पांडे ने भी उसी पोस्ट पर टिप्पणी करके आग में घी डालने का काम किया। रायसा ने लिखा, तुम बहुत कूल हो। पांडे सिस्टर्स को इस तरह हॉलीवुड मॉडल की तस्वीर पर प्यार लुटाते देख फैंस को लग रहा है कि दाल में कुछ काला तो जरूर है। उनका मानना है कि अनन्या और वॉकर के बीच कुछ तो पक रहा है। फैंस के बीच इस बात लेकर खलबली है। वॉकर ने इंस्टाग्राम पर एक कैरोसेल पोस्ट किया था, जिसमें बाघों के साथ प्रकृति की कुछ प्यारी तस्वीरें और एक एक्वेरियम का शॉट था। पूल में डुबकी लगाते हुए उनकी एक तस्वीर और रोशनी के सामने एक और कैंडिड शॉट भी था।

श्रीलीला के साथ रोमांटिक हुए कार्तिक

बॉलीवुड एक्टर कार्तिक आर्यन इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म को लेकर सुर्खियों में है। फिल्म का फिलहाल नाम सामने नहीं आया है। हालांकि, फिल्म को लेकर कहा जा रहा है कि ये एक रोमांटिक फिल्म है। इसमें कार्तिक आर्यन और श्रीलीला लीड किरदार के तौर पर नजर आएंगे। दोनों ने फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। ऐसे में कार्तिक आर्यन ने अपने इंस्टाग्राम पर एक फोटो शेयर किया है। कार्तिक आर्यन ने शुक्रवार को इंस्टाग्राम पर दार्जिलिंग के चाय के बागानों की सुंदर पहाड़ियों से एक रोमांटिक फोटो शेयर की है। फोटो में, कार्तिक आर्यन और श्रीलीला हरे-भरे चाय के बागानों के बीच बैठे हुए दिखाई दे रहे हैं। कार्तिक ने दो कप चाय पकड़े हुए भी हमारा ध्यान आकर्षित किया क्योंकि यह एक रोमांटिक दृश्य की शूटिंग का संकेत देता है। कार्तिक आर्यन ने फोटो के कैप्शन के लिखा है कि तू मेरी ज़िंदगी है। इस फिल्म का निर्देशन अनुराग बसु कर रहे हैं। फिल्म में, कार्तिक लंबे बालों और बढ़ी हुई दाढ़ी के साथ एक रफ लुक में दिखाई देंगे। इस अनाम प्रोजेक्ट के अलावा, कार्तिक आर्यन के पास तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी भी है। कार्तिक आर्यन और करण जौहर अनबन की खबरें आई थी। इसके बाद कहा जा रहा था कि करण जौहर ने कार्तिक आर्यन अपने सभी फिल्मों से निकाल दिया है। हालांकि अब दोनों एक बार फिर से तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी में दिखाई देंगे।